[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7356 **K**

Unique Paper Code : 2412083502

Name of the Paper : Business Economics

Name of the Course : **B.Com. (Hons.) – DSC**

Semester : V

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are mandatory.
3. The students are advised to answer either/or part of each question.
4. **All** the questions carry equal marks.
5. Use of simple calculator is allowed.
6. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. विद्यार्थियों को प्रत्येक प्रश्न के या/अथवा भाग में से किसी **एक** का उत्तर देना चाहिए।
4. **सभी** प्रश्न समान अंक के हैं।
5. साधारण कैलकुलेटर के उपयोग की अनुमति है।
6. इस प्रश्न–पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. (a) *"A sound understanding of business economics fosters analytical and decision-making abilities that can be applied across various business situations"*. Discuss this statement in light of nature and significance of business economics. (9)

(b) A clothing brand sells 1000 shirts at ₹800 each. After a discount, the price is reduced to ₹700 and monthly sales increase to 1300 shirts. (9)

(i) Calculate the price elasticity of demand using arc-elasticity method.

(ii) Is the demand elastic or inelastic?

(iii) What pricing strategy should the firm adopt? Should the company continue to discount to maximize its total revenue?

OR

(c) Explain the concept of paradox of plenty. Discuss its significance for businesses and illustrate your answer with a suitable example. (9)

(d) How a production manager can apply the concepts and determinants of elasticity of supply to make effective production decisions? Discuss. (9)

2. (a) Explain the concept of consumer's equilibrium with the help of indifference curve analysis. Explain the conditions necessary for consumer to attain equilibrium. (9)

(b) With the help of suitable diagrams, explain the situations in which indifference curves are not convex to the origin. Discuss the relationship between the two goods in each of these cases. (9)

OR

(c) A consumer has an income of ₹1800. The price of good X is ₹60 and the price of good Y is ₹90. (9)

(i) Find the intercepts and slope of the budget line.

(ii) If the price of good X falls to ₹30, what happens to the budget line?

(iii) Represent this change graphically and explain its economic meaning.

(d) With the help suitable diagram, explain how a fall in price of normal good leads to increase in quantity demanded? Decompose this total effect into income and substitution effect. (9)

3. (a) Discuss the role of Isoquants and Isocost lines in determination of effective input combinations in the production process. (9)

(b) Why Long-run Marginal Cost (LMC) curve is not considered an envelope curve, unlike the Long-run Average Cost (LAC) curve? Explain. (9)

OR

(c) Critically analyse the concept of ridge lines in production theory. With the help of a diagram, explain the significance of ridge lines help in identifying the region of rational production. (9)

(d) Given the following data for a firm : (9)

Output (Units)	0	1	2	3	4	5
Total Cost (₹)	100	150	190	230	280	350

(i) Calculate MC, AC and AFC at each level of output.

(ii) Identify the output level where MC=AC, and explain the economic significance of this point.

4. (a) Derive long-run supply curve of a decreasing cost industry under perfect competition, and explain its significance for rational business decision-making. (9)

(b) Explain the short-run equilibrium conditions of a monopolist using the marginal principle. Illustrate your answer with suitable diagrams showing possible cases of supernormal profits, breakeven point and losses. (9)

OR

(c) Critically analyse the long-run equilibrium under monopolistic competition with the special reference to the problem of excess capacity. How does it differ from long-run equilibrium under perfect competition? (9)

(d) Explain the concept of Kinked Demand Curve. With the help of a suitable diagram, illustrate how it leads to price rigidity? (9)

5. (a) Describe how the labour supply curve may become backward bending as wage increase? Explain the income and substitution effects responsible for this behaviour. (9)

(b) Write short note on : (9)

(i) Collusive v/s non-collusive oligopoly.

(ii) Excess capacity

OR

(c) Explain the concept of third-degree price discrimination. Discuss the key conditions required for its successful implementation and evaluate its impact on consumers and producers. (9)

(d) Write short note on : (9)

(i) Minimum wages

(ii) Nash Equilibrium

SRI AUROBINDO COLLEGE तमसो मा ज्योतिर्गमय UNIVERSITY OF DELHI

1. (क) "व्यवसाय अर्थशास्त्र की सुदृढ़ समझ विश्लेषणात्मक और निर्णय-निर्माण क्षमताओं को बढ़ाती है, जिन्हें विभिन्न व्यावसायिक स्थितियों में लागू किया जा सकता है।" व्यवसाय अर्थशास्त्र के स्वरूप और महत्व के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा कीजिए। (9)

(ख) एक वस्त्र ब्रांड 1000 शर्ट ₹800 प्रति शर्ट पर बेचता है। छूट देने के बाद कीमत घटकर ₹700 हो जाती है और मासिक बिक्री बढ़कर 1300 शर्ट हो जाती है। (9)

(i) आर्क-इलास्टिसिटी पद्धति से माँग की मूल्य लोच की गणना कीजिए।

(ii) बताइए कि माँग लोचदार है या अलोचदार?

(iii) फर्म को कौन-सी मूल्य-निर्धारण रणनीति अपनानी चाहिए? क्या कंपनी को कुल राजस्व अधिकतम करने के लिए छूट जारी रखनी चाहिए?

या

(ग) "पैराडॉक्स ऑफ प्लेंटी" की अवधारणा को समझाइए। इसके व्यावसायिक महत्व पर चर्चा कीजिए और उपयुक्त उदाहरण से स्पष्ट कीजिए। (9)

(घ) किस प्रकार एक उत्पादन प्रबंधक आपूर्ति की लोच की अवधारणा और निर्धारकों को प्रभावी उत्पादन निर्णय लेने के लिए लागू कर सकता है? चर्चा कीजिए। (9)

2. (क) उदासीनता-वक्र विश्लेषण की सहायता से उपभोक्ता के संतुलन की अवधारणा समझाइए। उपभोक्ता के संतुलन प्राप्त करने हेतु आवश्यक शर्तें समझाइए। (9)

(ख) उपयुक्त आरेखों की सहायता से उन स्थितियों को समझाइए, जिनमें उदासीनता-वक्र मूल बिंदु की ओर उत्तल नहीं होते। प्रत्येक स्थिति में दोनों वस्तुओं के बीच संबंध स्पष्ट कीजिए। (9)

या

(ग) एक उपभोक्ता की आय ₹1800 है। वस्तु X की कीमत ₹60 और वस्तु Y की कीमत ₹90 है। (9)

(i) बजट रेखा के अवरोध (intercepts) और ढाल ज्ञात कीजिए।

(ii) यदि वस्तु X की कीमत घटकर ₹30 हो जाती है तो बजट रेखा पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

(iii) इस परिवर्तन को ग्राफ द्वारा दर्शाएँ और इसका आर्थिक अर्थ समझाएँ।

(घ) उपयुक्त आरेख की सहायता से समझाइए कि सामान्य वस्तु की कीमत में कमी से उसकी माँग की गई मात्रा कैसे बढ़ती है? इस कुल प्रभाव को आय-प्रभाव और प्रतिस्थापन-प्रभाव में विभाजित कीजिए। (9)

3. (क) उत्पादन प्रक्रिया में प्रभावी इनपुट संयोजन निर्धारण हेतु आइसोक्वांट और आइसोकॉस्ट रेखाओं की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (9)

(ख) दीर्घावधि सीमांत लागत (LMC) वक्र को, दीर्घावधि औसत लागत (LAC) वक्र के विपरीत, एनवेलप कर्व क्यों नहीं माना जाता? समझाइए। (9)

SRI AUROBINDO COLLEGE UNIVERSITY OF DELHI

या

(ग) उत्पादन सिद्धांत में रिज-लाइनों की अवधारणा का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। उपयुक्त आरेख की सहायता से स्पष्ट कीजिए कि तर्कसंगत उत्पादन क्षेत्र की पहचान में ये रेखाएँ क्यों महत्वपूर्ण हैं। (9)

(घ) किसी फर्म के लिए निम्न डेटा दिया गया है : (9)

उत्पादन (ईकाई)	0	1	2	3	4	5
कुल लागत (₹)	100	150	190	230	280	350

(i) हर स्तर पर एमसी, एसी और एएफसी की गणना कीजिए।

(ii) वह आउटपुट स्तर पहचानिए जहाँ MC = AC है और इस बिंदु का आर्थिक महत्व समझाइए।

4. (क) संपूर्ण प्रतिस्पर्धा वाली घटती लागत उद्योग की दीर्घावधि आपूर्ति-वक्र की व्युत्पत्ति कीजिए और तर्कसंगत व्यावसायिक निर्णय लेने में इसकी प्रासंगिकता समझाइए। (9)

(ख) सीमांत सिद्धांत का प्रयोग करते हुए एकाधिकारकर्ता के अल्पावधि संतुलन की परिस्थितियाँ समझाइए। उपयुक्त आरेखों की सहायता से सुपरनॉर्मल लाभ, ब्रेक-इवन बिंदु तथा हानि - तीनों अवस्थाएँ दर्शाइए। (9)

या

(ग) एकाधिकारवादी प्रतिस्पर्धा के दीर्घावधि संतुलन का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए, विशेषकर ''अतिरिक्त क्षमता'' की समस्या के संदर्भ में। यह पूर्ण प्रतिस्पर्धा के दीर्घावधि संतुलन से कैसे भिन्न है? (9)

(घ) किंक्ड डिमांड कर्व की अवधारणा समझाइए। उपयुक्त आरेख की सहायता से दिखाइए कि यह मूल्य-की-चक्रीयता (price rigidity) कैसे उत्पन्न करता है। (9)

5. (क) समझाइए कि मजदूरी बढ़ने पर श्रम-आपूर्ति वक्र पीछे की ओर मुड़ा हुआ (backward bending) क्यों हो सकता है? इस व्यवहार के लिए उत्तरदायी आय-प्रभाव और प्रतिस्थापन-प्रभाव स्पष्ट कीजिए। (9)

(ख) संक्षिप्त टिप्पणी लिखें : (9)

(i) साठगांठ (Collusive) बनाम गैर-साठगांठ (Non-collusive) अल्पाधिकार

(ii) अतिरिक्त क्षमता (Excess Capacity)

या

(ग) तृतीय-डिग्री मूल्य भेदभाव की अवधारणा समझाइए। इसके सफल कार्यान्वयन के लिए आवश्यक प्रमुख शर्तों पर चर्चा कीजिए तथा उपभोक्ताओं और उत्पादकों पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए। (9)

(घ) संक्षिप्त टिप्पणी लिखें : (9)

(i) न्यूनतम मजदूरी

(ii) नैश संतुलन

SRI AUROBINDO COLLEGE
श्री अरविन्द महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय
तमसो मा ज्योतिर्गमय
UNIVERSITY OF DELHI